# नगरपालिका में ई-ऑफिस प्रणाली होगी लागू, कामकाज में आएगी पारदर्शिता

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 30 अप्रैल. नगरपालिका के कामकाज में पारदर्शिता लाने और कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत अधिकारी एक क्लिक में जान सकेंगे कि फाइल कहां और किस स्तर पर लंबित है।**

### ऑनलाइन ट्रैकिंग से बढ़ेगी जवाबदेही

### पेपरलेस वर्किंग को मिलेगा बढ़ावा

दरअसल नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मध्यप्रदेश ने प्रदेश के सभी नगर पालिका और नगर परिषद कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। जारी निर्देशों में बताया गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग के पूर्व आदेशों के अनुसार अब सभी शासकीय कार्य ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही संपादित किए जाएंगे। इसके लिए प्रत्येक नगर निकाय में ई-ऑफिस का पूर्ण संचालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों की आधिकारिक ईमेल आईडी उपलब्ध नहीं है, वे ईमेल आईडी निर्माण के लिए निर्धारित प्रपत्र भरकर अनिवार्य रूप से भेजें। जिसके तहत निकायों में कार्यरत सभी अधिकारी और लिपिक वर्ग की ई-ऑफिस आईडी तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि आने वाले समय में सभी कर्मचारियों को ई-ऑफिस

प्रक्रिया के तहत ही काम करना होगा। अभी तक कागजी फाइलें बनाई जाती थी। कई बार यह फाइलें बाबूओं की टेबल पर धूल खाती थी, लेकिन ई-ऑफिस होने के बाद अधिकारियों को एक क्लिक में पता चल जाएगा कि संबंधित फाइल कहां है और क्यों रुकी है। इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि कागजी कामकाज की प्रक्रिया में कमी आएगी और फाइलों का रिकॉर्ड अपडेट रहेगा। जिससे काम समयावधि में पूर्ण होगा।

**आमजनों को बार-बार नहीं लगाने पड़ेगे चक्कर :** नगरपालिका में ई ऑफिस प्रणाली लागू होने से लोगों को बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे। कर्मचारी-अधिकारी हितग्राही को देखकर आसानी से बता पायेगे कि उनकी फाइल की प्रक्रिया कहां तक पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को उनकी काम की जानकारी भी जल्द उपलब्ध होगी। बताया जा रहा है कि ई-आफिस प्रणाली में सब कुछ ऑनलाइन होगा। संबंधित कर्मचारी के काम पूरा करने का समय भी तय रहेगा। यदि कोई बिना वजह फाइल रोकता है तो ऑनलाइन ही प्रदर्शित हो जाएगा कि किसके पास फाइल रुकी है और कितने दिनों से रुकी है और फाइल में क्या कमी है। किस वजह से फाइल रोकी गई है, इसका पूरा ब्यौरा ऑनलाइन दिख जायेगा।

**फाइलों को किया जायेगा डिजिटलीकरण :** नगरपालिका में नई प्रणाली के तहत फाइलों का डिजिटलीकरण भी किया जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि कार्यों की निगरानी भी बेहतर हो सकेगी। वर्तमान में कई छोटे-बड़े कार्यों के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में फाइलें तैयार की जाती हैं, जिनके गुम होने या इधर-उधर रखने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई बार फाइल नहीं मिलने के कारण काम शुरू होने में अनावश्यक देरी हो जाती है। ई-ऑफिस लागू होने के बाद सभी फाइलें ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगी, जिससे उन्हें कहीं भी और कभी भी देखा जा सकेगा। सभी दस्तावेज सुरक्षित और डिजिटल रूप में एक ही स्थान स्थान पर उपलब्ध रहेंगे, जिससे फाइलों के खोने का डर नहीं रहेगा।

> निकाय में कार्यरत सभी अधिकारी और लिपिक वर्ग की ई-ऑफिस आईडी तैयार की जा रही है। आने वाले समय में सभी कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत ही काम करना होगा।
>
> **– नवनीत पाण्डेय, सीएमओ नगरपालिका बैतूल**

### प्रशासिनक कार्यों में आएगी तेजी

नगरपालिका की विभिन्न शाखाओं में ई ऑफिस प्रणाली चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी। ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने के बाद फाइलों की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकेगी। इससे यह स्पष्ट होगा कि फाइल कब तैयार हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी के पास पहुंची और किस कारण से लंबित है। इस व्यवस्था से कर्मचारियों की जवाबदेही तय होगी और फाइलों को अनावश्यक रूप से रोककर रखने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। फाइलें डिजिटल होने से बाबू काम अटका नहीं सकेंगे और यह पता चलेगा कि फाइल किसके पास लंबित है। कागजी कार्रवाई भी कम होने से निर्णय जल्दी लिया जा सकेगा।

### समय की होगी बचत, पेपरलेस वर्किंग को मिलेगा बढ़ावा

ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से जहां समय की बचत होगी, वहीं पेपरलेस वर्किंग को भी बढ़ावा मिलेगा। बताया जा रहा है कि ई-नगरपालिका 2.0 के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही संपत्ति कर, भवन निर्माण अनुमति जैसे कार्यों के लिए आवेदन कर सकेंगे। अधिकारी रियल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से सभी कार्यों की निगरानी कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह पहल नगरपालिका के कामकाज को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तेज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जागरूक नागरिकों का कहना है कि समय के साथ-साथ अब सभी कार्य डिजिटलीकरण हो रहे है। ऐसे में नगरपालिका के डिजिटलीकरण होने से कर्मचारियों के कार्यो में भी तेजी आयेगी और शहर के विकास को गति मिलेगी।

## एक नजर में

### मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

**मुलताई।** अखिल भारतीय पटवा वैश्य महासभा के बैनर तले समाज के द्वारा मांगें प्रस्तुत की गई।अखिलभारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा के नगर अध्यक्ष गगनदीप खेरे ने विधायक चंद्रशेखर देशमुख को दिए ज्ञापन में बताया कि पटवा समाज परंपरागत रूप से सूत, धागा, कारीगरी एवं लघु व्यवसाय से जुड़ा हुआ समाज है, जो वर्षों से अपनी आजीविका स्वयं के श्रम एवं कौशल से चलाता आ रहा है। वर्तमान समय में इस समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने की आवश्यकता है।मध्यप्रदेश में पटवा समाज बोर्ड का गठन शीघ्र किया जाए, ताकि समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास हेतु योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ पटवा समाज के पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता के साथ दिलाया जाए, जिससे पारंपरिक कारीगरों को आर्थिक मजबूती एवं रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें।

### बोरदेही में स्वास्थ्य शिविर 2 मई को

**बैतूल।** जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से जिले में 20 स्वास्थ्य शिविर लगाने की प्राप्त स्वीकृति के परिपालन में 2 मई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोरदेही में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि शिविर में जिला चिकित्सालय से स्त्री रोग, शिशु रोग, दंत रोग, मानसिक रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हुरमाड़े ने आमजन से शिविर में अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

### कलेक्टर ने की जनगणना कार्य में सहयोग की अपील

**बैतूल।** जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण यथा मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से प्रारंभ हुआ। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में संलग्न प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा उन्हें सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे जनगणना कार्य सटीक, समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

## श्री नरसिंह भगवान प्रकटोत्सव की लीला का किया मंचन

**मुलताई।** पवित्र नगरी में गुरूवार रात्रि करीब साढे 10 में महाराष्ट्रीयन ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान विष्णु जी के चौथे अवतार भगवान श्री नरसिहं जी का प्रकटोत्सव गांधी चौक से जयस्तंभ चौक रोड पर मनाया गया। जहां भगवान श्री नरसिहं जी की लीला दिखाई गई। पंडित प्रवीण जोशी ने बताया बीते 100 से अधिक वर्षो से महाराष्ट्रीयन ब्राम्हण समाज द्वारा लीला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से विहते परिवार,देशमुख परिवार एवं जोशी परिवार द्वारा इस आयोजन में बढ चढ कर हिस्सा लिया जाता

है। उन्होने बताया पद्म और स्कंद पुराण के मुताबिक वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर भगवान नरसिंह प्रकट हुए थे। नरसिंह नाम के ही अनुसार इस अवतार में भगवान का रूप आधा नर और आधा शरीर सिंह का है। राक्षस राजा हिरण्यकश्यप ने भगवान की तपस्या कर के चतुराई से वरदान मांगा था। जिसके अनुसार उसे कोई दिन में या रात में, मनुष्य, पशु, पक्षी कोई भी न मार सके। पानी, हवा या धरती पर, किसी भी शस्त्र से उसकी मृत्यु न हो सके। दैत्य राजा हिरण्यकश्यप का बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त था, इसलिए प्रहलाद पर अत्याचार होते थे। कई बार मारने की कोशिश भी की गई। भगवान विष्णु अपने भक्त को बचाने के लिए खंबे से नरसिंह रूप में प्रकट हुए। उन्होने बताया कि गुरूवार को सुबह से ही भगवान नरसिहं का पुजन कीर्तन किया गया। संध्या के समय भगवान नरसिहं का अवतार हुआ। जिसकी लीला दिखाई गई। वही भगवान नरसिहं जी खम्बें में से प्रकट हुए थे। जिसके रूवरूप में एक तोरण बांधी जाती,जिसके एक ओर भगवान नरसिहं तथा दुसरी ओर राजा और उसके सैनिक होते है। जो बारी बारी से भगवान से युद्व करने आते है, अंतिम में राक्षस राजा हिरण्यकश्यप युद्व करने के लिए आता है। जिसके बाद भगवान प्रकट होते है तथा राजा से युद्व कर उसका वध कर देते है। जिसके पश्चात भगवान के अवतार रूवरूप को मंदिर में आरती कर शांत किया गया।

## कलेक्टर ने सांदीपनी विद्यालय का किया निरीक्षण

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शुक्रवार को सांदीपनी विद्यालय भैंसदेही का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सहायक कलेक्टर पुष्पराज खोटे एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक पांडे उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की टॉपर विद्यार्थियों द्वारा कलेक्टर का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। कलेक्टर ने कंप्यूटर लैब का निरीक्षण कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अत्याधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त बताया। वहीं पुस्तकालय के निरीक्षण के पश्चात उन्होंने सुझाव दिया कि पुस्तकों पर

ब्लॉकवार नाम अंकित किए जाएं, जिससे व्यवस्था और बेहतर हो सके। उन्होंने कक्षाओं की साफ-सफाई एवं सुसज्जित व्यवस्था की सराहना की तथा प्रयोगशाला में उपलब्ध संसाधनों पर संतोष व्यक्त किया। स्वामी विवेकानंद हॉल की भव्यता की भी उन्होंने प्रशंसा की। नवीन भवन का निरीक्षण करने के बाद कलेक्टर ने टॉपर विद्यार्थियों, स्टाफ एवं पालकों से संवाद करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं के अंकों के साथ-साथ वर्तमान प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं जैसे नीट, क्लैट, यूपीएससी की तैयारी पर भी ध्यान देना चाहिए।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में हुई घटना में दोनों घायल सुरक्षित

**बैतूल।** घोड़ाडोंगरी तहसील स्थित सतपुड़ा ग्राउंड में 30 अप्रैल को आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के दौरान एक अप्रत्याशित घटना सामने आई। दोपहर लगभग 12 बजे ध्वनि विस्तारक वाहन के ब्रेक में तकनीकी खराबी आ जाने से वाहन अनियंत्रित हो गया, जिससे समारोह में शामिल वर राहुल सरोडे एवं उनके परिजन अनुज सरोडे घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकीय परीक्षण में वर राहुल सरोडे को सामान्य चोटें पाई गईं तथा किसी प्रकार का अस्थि-भंग नहीं पाया गया। वहीं अनुज सरोडे के पैर में सूक्ष्म रेखीय लघु अस्थि-भंग की पुष्टि हुई, जिस पर तत्काल प्लास्टर चढ़ाया गया। इसके पश्चात उन्हें जिला चिकित्सालय में पुन: परीक्षण कराने की सलाह दी गई। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों द्वारा जांच के दौरान अस्थि-भंग को गंभीर नहीं पाया गया तथा प्लास्टर की आवश्यकता नहीं बताई गई। दोनों को सामान्य स्थिति में पाए जाने पर रात्रि तक चिकित्सकीय पर्यवेक्षण में रखने के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना के संबंध में स्थानीय थाना में तत्काल प्रथम सूचना प्रतिवेदन एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

## पंचायत और छात्रावास व्यवस्थाओं में मिलीं खामियां

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में सतत निरीक्षण कर रहे है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आमला शैलेन्द्र बड़ोनिया द्वारा विगत दिनों खेड़ली बाजार में स्वास्थ्य सेवाओं, छात्रावास, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी एवं साख समिति का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सभी संबंधित विभागों को व्यवस्थाओं में त्वरित सुधार कर आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एसडीएम श्री बड़ोनिया ने आयुष आरोग्य केन्द्र खेड़ली बाजार में

समस्त स्टाफ उपस्थित पाया गया, किंतु दवा स्टॉक रूम में अवधी समाप्त सितोपलादि चूर्ण मिलने पर उसे तत्काल हटाने एवं तीन दिवस में स्टॉक एवं रिकॉर्ड व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उप स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण में सीएचओ अवकाश पर पाए गए। प्रसूति सहायता योजना के कोई प्रकरण लंबित नहीं मिले। टीकाकरण कार्यक्रम का परीक्षण करते हुए खेड़ली बाजार, बम्हणी एवं ब्राम्हणवाड़ा में नियमित टीकाकरण की जानकारी ली गई।

## कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने भैंसदेही में किया औचक निरीक्षण

**बैतूल।** कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने 1 मई को तहसील कार्यालय भैंसदेही का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तहसीलदार भैंसदेही को फॉर्मर रजिस्ट्री, नामांतरण, बटवारा तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सीमांकन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इसके बाद कलेक्टर डॉ. सोनवणे ग्राम पंचायत डेढ़पानी पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने पेयजल समस्या से अवगत कराया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल पाथाखेड़ा जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पीएचई, जनपद पंचायत और डब्ल्यूआरडी के बीच समन्वय स्थापित कर संयुक्त फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## महिलाओं ने निकाली जन आक्रोश रैली

**मुलताई।** नारी शक्ति वंदना अधिनियम का प्रस्ताव पास नहीं होने पर महिलाओं द्वारा शुक्रवार को जन आक्रोश रैली निकाली गई। भाजपा मीडिया प्रभारी रामचरण मालवीय ने बताया केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्ताव लाया गया था, जिसका कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्ताव को गिरा दिया गया। जिससे पूरे देश में कांग्रेस के प्रति महिलाओं में भारी आक्रोश है। ग्राम देवरी में मातृशक्तियों द्वारा नारी शक्ति वंदन

अधिनियम पास नहीं होने पर कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद, नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाके रहेंगे, महिलाओं का अपमान कांग्रेस है बेईमान, महिलाओं के अधिकार पर वार कांग्रेस है जिम्मेदार नारेबाजी करते हुए जन आक्रोश रैली निकाली गई। भाजपा जिला मंत्री वर्षा गढेकर ने रैली को संबोधित करते हुए संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्ताव लाया गया, महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे लाने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार प्रयासरत है।

## झगड़िया में महिला एवं बाल विकास टीम ने रोके दो बाल विवाह

**बैतूल।** विकास खंड बैतूल अंतर्गत ग्राम झगड़िया में महिला एवं बाल विकास विभाग की त्वरित कार्रवाई से दो बाल विवाह सफलतापूर्वक रोक दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी के निर्देश पर परियोजना अधिकारी निर्मल सिंह ठाकुर, सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना तिवारी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रामकली काकोडिया मौके पर पहुंचीं। टीम ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे के सहयोग से तत्काल कार्रवाई करते हुए विवाह स्थल पर पहुंचकर बाल विवाह रुकवाया। ग्राम झगड़िया निवासी अपनी नाबालिग बेटी

(जन्मतिथि 06 जून 2009) का विवाह करने जा रहे थे। टीम ने मौके पर पहुंचकर पिता को बाल विवाह कानून के प्रावधानों और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया। समझाइश के बाद परिवार ने विवाह स्थगित कर दिया। इसी गांव के निवासी भी अपनी 17 वर्षीय बेटी का विवाह 4 मई 2026 को करने वाले थे। टीम ने उन्हें भी बाल विवाह को कानूनी अपराध बताते हुए तथा बालिका के भविष्य कोठ्ठ ध्यान में रखते हुए समझाइश दी। परिवार ने पूर्ण सहमति जताते हुए कहा कि वे बेटी के 18 वर्ष पूर्णठ्ठ होने के बाद ही विवाह करेंगे। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम कोटवार, समाजसेवी तुलसी राम धुर्वे तथा अन्य स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने स्पष्ट संदेश दिया कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास के लिए अत्यंत हानिकारक है। विभाग का प्रयास है कि जिले में किसी भी बाल विवाह को बर्दाश्त न किया जाए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे तथा स्थानीय समाजसेवियों ने महिला एवं बाल विकास टीम की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की। विभाग ने अपील की है कि यदि किसी भी गांव में बाल विवाह की कोई सूचना हो तो तुरंत जिला कार्यक्रम अधिकारी या संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र/परियोजना अधिकारी को सूचित करें।

**ज्ञापन** एआईएमआईएम पार्टी के बैनर तले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

## एआईएमआईएम पार्टी ने ज्ञापन देकर मजदूरों का हक मारने का लगाया आरोप

**नवभारत न्यूज**

**मुलताई, 1 मई. क्षेत्र के ग्राम डहरगांव में संचालित हार्टीफुट आई बैरिज कंपनी पर मजदूरो हक मारने के आरोप लगाते हुए शुक्रवार दोपहर मजदूर दिवस पर एआईएमआईएम पार्टी के बेनर तले मजदूरों द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया है।**

सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया विधान सभा क्षेत्र में ग्राम डहरगांव में एक व्यवसायिक प्राईवेट हार्टीफुट आई बैरिज नामक कंपनी ब्लूबेरी नामक फल का सैकडो एकड़ में उत्पादन कर रही है। जिसके लिए कंपनी को बडी मात्रा में पानी एवं मजदूरो कीआवश्यकता है। कंपनी द्वारा

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से सांठगांठ कर बडी मात्रा में बडी बडी मोटरें लगाकर वर्धा जलाशय से पानी लिया जा रहा है। जबकि वर्धा जलाशय परियोंजना एक कृषि योजना है जो कि किसानों के लिए बनाई गई है। वर्धा जलाशय परियोजना का मुख्य उददेश्य किसानों को वर्ष भर पानी उपलब्ध कराना है जबकि हार्टीफुट आई बैरिज कंपनी जमीन के नीचे मोटी मोटी पाईप लाईन बिछाकर उक्त पानी का उपयोग कर रही है जिसमें जलाशय का पानी पुर्ण रूप से सुख चुका है जिसके चलते शासन का उददेश्य पुर्ण होता नही दिखाई दे रहा है। शासन की इस परियोजना में किसानों की जमीन सुखी पडी है। वहीं कंपनी पर पानी चोरी करने के आरोप लगाए है।वही विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि कंपनी में कार्यरत लेबर कान्ट्रेकटर जिसके पास मात्र 200-300 मजदूरों का लायसेंस है वह हजारों मजदूरों कंपनी में चला रहा है नियमानुसार प्रत्येक मजदूर को प्रतिदिन 478 रूपए मजदूरी मिलना चाहिए जिसमें लेबर कान्ट्रेक्टर कंपनी के एचआर के साथ मिलकर प्रत्येक मजदूर को 78 रूपए कम मजदूरी दे रहा है जिसके चलते प्रतिदिन 78 हजार रूपए प्रतिदिन का भ्रष्टाचार किया जा रहा है वही मजदूरों को जंगली इलाके में कार्य करना होता है जहां मजदूरों के लिए स्वास्थ्य, शौचालय एवं सुरक्षा से सबंधित तथा पीएफ एवं मेडिक्लेम, बीमा संबधित मुलभुत सुविधा उपलब्ध नही है। जबकि नियमानुसार प्रत्येक मजदूर को पीएफ, बीमा, मेडिक्लेम पालिसी , शौचालय जैसी मुलभुत सुविधा मिलनी चाहिए। उन्होने यह भी बताया कि पुर्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा इस संबध में विधान सभा प्रश्न एवं शिकायत की गई थी। लेकिन कंपनी द्वारा अधिकारियों से मिली भगत कर उक्त शिकायतों को दबा दिया गया है। ज्ञापन में कंपनी द्वारा किए जा रहे कृत्यों की विस्तृत जांच कर कारवाई करने की मांग की गई है।

## अवैध क्लीनिक व पैथोलॉजी लैब का साम्राज्य

**पाथाखेड़ा।** क्षेत्र में अवैध क्लिनिक और पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटरों का सालों से जाल तेजी से फैलता जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि मरीजों की जान से खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं जिम्मेदार स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। लगातार कई महीनों से स्थानीय नागरिकों द्वारा शिकायतें किए जाने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की हालिया जांच कार्रवाई ठोस परिणाम देने में विफल रही। सारनी नगर से लेकर बागडोना और सलैया तक कई अवैध क्लिनिक और लैब सेंटर बिना मान्यता, बिना विशेषज्ञ चिकित्सकों और बिना मानक उपकरणों के संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों में खुलेआम ब्लड सैंपल लिए जा रहे हैं। कुछ लोग घुम घुम कर अवैध क्लिनिक से बल्ड सैंपल लेकर मनमाने दामों पर जांच रिपोर्ट थमाई जा रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन पैथोलॉजी केंद्रों में न तो योग्य एमडी पैथोलॉजिस्ट मौजूद हैं और न ही गुणवत्ता के मानकों का पालन किया जा रहा है। इसके बावजूद हजारों रुपए वसूले जा रहे हैं, जिससे आमजन आर्थिक और शारीरिक दोनों रूप से ठगे जा रहे हैं। क्षेत्र में एमबीबीएस डॉक्टरों की कमी का फायदा उठाकर झोलाछाप डॉक्टर और अवैध संचालक मरीजों को गुमराह कर रहे हैं। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुछ स्थानों पर निरीक्षण किया, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। सारनी शॉपिंग सेंटर स्थित घोंटकर क्लिनिक में एलोपैथिक उपचार करते पाए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, वहीं बागडोना के लाइफ केयर पैथोलॉजी सेंटर में अनियमितताएं मिलने पर भी केवल निर्देश देकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

> टीम द्वारा निरीक्षण में अनियमितताएं पाई गई हैं और संबंधित संचालकों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दोबारा शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
>
> **– बृजेश परिहार,** डीएचओ, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी बैतूल